एक किसान की सफलता की कहानी विकास खंड चौपाल जिला शिमला हिमाचल प्रदेश |

किसान का नाम	श्री कृपाल सिंह
पिता का नाम	श्री प्रताप सिंह
गांव	छावणी
ढाकखाना	रुसलाह
तहसील	चौपाल
जिला	शिमला हिमाचल प्रदेश
मोबाइल नंबर	78076-95803
योजना का नाम	1) राज्य कृषि यंत्रीकरण कार्यक्रम 2) मुख्यामंत्री खेत सरंक्षण योजना
मद	पावर बिडर / तार बाढ़ (कम्पोजिट फेंसिंग)
अनुदान राशि	25000 / 174890

आज के समय में जहाँ कई किसान ऐसे हैं जो अपनी परमपरागत खेती से न होने वाले मुनाफे, से परेशान होकर कुछ और काम की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं | वहीं कुछ ऐसे भी किसान हैं जो खेती के उन्नत गुणों को सीख कर खेती से ही सलाना लाखो रुपये कमा रहे हैं | किसान की जीविका खेती पर ही निर्भर होती हैं | अगर किसान के पास थोड़ी ज़मीन हो तो उसकी आय कम होती हैं | और परिवार का पालन पोषण सही तरीके से नहीं कर पाता |लेकिन अगर किसान चाहे तो अपनी थोड़ी ज़मीन में भी ज़्यादा मेह्नत करके अच्छा मुनाफा कमा सकता है | और अपने परिवार का पालन पोषण अच्छे से कर सकता हैं| परमपरागत तरीके की खेती करने से भी किसान को अच्छा मुनाफा नहीं होता हैं|

ऐसी ही एक सफलता की कहानी शिमला जिला के विकास खंड चौपाल के गांव छावणि के किसान श्री कृपाल सिंह की हैं | इस किसान ने कृषि विभाग से राज्य कृषि यंत्रीकरण कार्यक्रम योजना के अंतर्गत पावर बिडर ख़रीदा हैं | इस किसान को अनुदान के रूप में 25 हज़ार की राशि प्रदान कीगई जिससे किसान को ज़मीन जोतने में आसानी हुई तथा किसान का समय व पैसा दोनों बचा | इसके अतिरिक्त किसान ने अपने खेतो में विभाग द्वारा 198 मीटर तार बाढ़ (कम्पोजिट फेंसिंग) का निर्माण करवाया हैं | जिससे किसान को जंगली जानवरों से काफी राहत मिली | किसान दुग्धालय का कार्य भी कर रहा हैं | जिससे किसान को काफी मुनाफा हो रहा हैं | इस किसान को सुबाष पालेकर प्राकृतिक खेती के अंतर्गत गाय खरीदने के लिए 25 हज़ार की अनुदान राशी भी प्रदान की गई है |

<u>इस तरह से की खेती की शुरुआत</u> इस सफल किसान ने केवल दसवीं तक की पढ़ाई की हैं | इस किसान ने अपने घर की स्थिति सुधारने लिए कृषि विभाग से योजना लेने के बाद सब्जियाँ उगाना शुरू किया | जिससे किसान को लाखो रुपये का फायदा हुआ | किसान ने अपनी लग भग 3 एकड़ भूमि पर 1 एकड़ में सेब के पौधे लगाए हैं बची हुई 2 एकड़ भूमि में मटर , गोभी , टमाटर , मिर्च , हरा धनिया , पालक इतियादी उगाना शुरू किया | जिससे किसान की आय में बढ़ोतरी हुई | किसान ने आगे बताया की वह पिछले दो साल से गोबर की खाद व प्राकृतिक ढंग से त्यार की गई खाद का प्रयोग करता हैं | किसान ने रसायनिक खादों व कीट नाशक दवाइयों के इस्तेमाल को बंद कर दिया हैं | किसान ने बताया की इससे लाखो रुपये का फायदा हुआ और साथ ही इनकी सफल खेती को देख कर आस पास के किसान भी काफी प्रेरित हो रहे है |

विषयवाद विशेषज्ञ (कृषि)
विकास खंड चौपाल, जिला शिमला हिमाचल प्रदेश

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

कृषि विभाग
प्रदेश
SOLAR
SOLAR PV MODULE